

Padma Shri



DR. SHAIBAL GUPTA (POSTHUMOUS)

Dr. Shaibal Gupta, was the founder of Asian Development Research Institute, a leading social science research institute based in Patna. This institution has achieved a reputation as an outstanding centre for social science research.

2. Born on 21st June, 1953, Dr. Gupta was born to enlightened Bengali family in Bihar. The core area of his interest was to understand the reasons for under development of Bihar. He worked relentlessly for the last four decades towards the development of his home state and nurturing a research culture in very adverse circumstances.

3. Dr Gupta established his reputation as a scholar and remained a leading expert on Bihar with numerous publications in academic journals, research reports and newspapers. He had written extensively on issues related to development, social justice, cosmopolitanism and knowledge society. He had a deep knowledge about the political dynamics of Bihar and it is difficult to identify anyone who was as informed about Bihar politics.

4. Dr. Gupta followed an interdisciplinary approach using his understanding of Economics, History, Sociology, Anthropology and Politics. He was one of the first people to realize that in order to develop, creation of a knowledge society driven by a centre of advanced research was absolutely essential for Bihar. Over the years, he not only managed to achieve this, he was also able to establish a close working relationship with many international organizations. He facilitated involvement of several international bodies (European Science Foundation, Prince Claus Fund for Culture and Development of the Netherlands, the London School of Economics and the Institute of Developing Economies, Tokyo, University of Oxford, International Growth Centre) for collaborative development studies in Bihar.

5. Dr. Gupta had also been involved in development advocacy for Bihar. He played a key role in ensuring the publication of the annual economic survey of Bihar. Additionally, he actively promoted the submission of an 'all party' and professional organizations memorandum to Union Finance Commissions to foster sub-national identity in Bihar. He had worked as a literacy activist in Bihar and Jharkhand for several decades.

6. Dr. Gupta passed away on 28th January, 2021.

पद्म श्री



डॉ. शैबाल गुप्ता (मरणोपरांत)

डॉ. शैबाल गुप्ता, पटना स्थित एक प्रमुख सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान 'एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट' के संस्थापक थे। यह संस्थान सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित है।

2. 21 जून, 1953 को बिहार में एक सुशिक्षित बंगाली परिवार में जन्में, डॉ. गुप्ता की अभिरुचि का मुख्य क्षेत्र बिहार के पिछड़ेपन के कारणों को समझना था। उन्होंने पिछले चार दशकों में अपने गृह राज्य के विकास और अति विपरीत परिस्थितियों में शोध संस्कृति को पोषित करने की दिशा में अथक परिश्रम किया।

3. डॉ. गुप्ता एक प्रतिष्ठित विद्वान थे और बिहार के मामलों पर एक प्रमुख विशेषज्ञ थे। शैक्षिक पत्रिकाओं, अनुसंधान रिपोर्टों और समाचारपत्रों में उनके कई आलेख प्रकाशित हुए थे। उन्होंने विकास, सामाजिक न्याय, विश्वबन्धुत्व और ज्ञान संपन्न समाज से संबंधित विषयों पर विस्तृत लेखन किया था। उन्हें बिहार के राजनीतिक आयामों की गहरी समझ थी। बिहार की राजनीति की उनके जैसी समझ का दूसरा व्यक्ति ढूँढ पाना कठिन है।

4. डॉ. गुप्ता ने अर्थशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, में नृविज्ञान और राजनीति की अपनी समझ का उपयोग करते हुए एक बहुविषयक दृष्टिकोण अपनाया। वह ऐसे पहले लोगों में शामिल थे जिन्होंने यह महसूस किया कि विकास होने के लिए, बिहार में एक उन्नत अनुसंधान केंद्र द्वारा प्रेरित ज्ञान संपन्न समाज का निर्माण नितांत आवश्यक है। इन वर्षों में, वह न केवल ऐसा करने में कामयाब रहे, बल्कि उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ घनिष्ठ कार्य संबंध भी स्थापित किए। उन्होंने बिहार में सहयोगपूर्ण विकास अध्ययन के लिए कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों (यूरोपीयन साइन्स फाउंडेशन, प्रिंस क्लॉस फंड फॉर कल्चर एंड डेवलपमेंट ऑफ नीदरलैंड्स, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और द इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपिंग इकोनोमीज, टोक्यो, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, इंटरनेशनल डेवलपमेंट सेंटर) की भागीदारी को बढ़ावा दिया।

5. डॉ. गुप्ता बिहार के विकास की पैरोकारी करते रहे। उन्होंने बिहार के वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण का प्रकाशन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बिहार में उप-राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्रीय वित्त आयोगों को एक 'सर्वदलीय' और पेशेवर संगठनों की ओर से ज्ञापन प्रस्तुत किए जाने को सक्रिय प्रोत्साहन दिया। उन्होंने कई दशकों तक बिहार और झारखंड में साक्षरता कार्यकर्ता के रूप में काम किया था।

6. डॉ. गुप्ता का 28 जनवरी, 2021 को देहावसान हो गया।